Headlines: Will SME IPOs attract investors	
Source: Nav Bharat Times	**Date:** 29 September 2016

क्या SME के आईपीओ रिटेल निवेशकों को लुभाएंगे

आज एक ही दिन में NSE के इमर्ज प्लेटफॉर्म से 7 आईपीओ खुल रहे हैं

Sudha.Shrimali@
timesgroup.com

शेयर बाजार में तेजी के ट्रेंड को देखते हुए प्राइमरी मार्केट में इनशियल पब्लिक ऑफर(आईपीओ) की बहार जारी है। निवेशकों के पॉजिटिव सेंटिमेंट्स को देखते हुए इस साल आज की तारीख तक 64 आईपीओ प्राइमरी मार्केट में आए और अगर SME की बात करें तो 45 आईपीओ एसएमई के आए हैं।

महत्वाकांक्षा, जोड़-तोड़ व माइग्रेशन तो नहीं....

इतना ही नहीं पिछले दिनों लिस्ट हुई मध्य भारत एग्रो प्रॉडक्ट लि. के आईपीओ ने SME प्लेटफॉर्म से 103 करोड़ रुपये जुटाए और यह 7.43 गुना सबस्क्राइब हुआ। ऐसे में यह देखना रूचिकर होगा कि क्या एसएमई सेगमेंट को लेकर रिटेल निवेशकों का आकर्षण बढ़ रहा है या कि यह सिर्फ एस्पिरेशन, मैन्युपुलेशन व माइग्रेशन का कॉम्बिनेशन है। जानकारों का कहना है कि बहुत सी कंपनियां एसएमई आईपीओ प्लेटफॉर्म के जरिए आकर बाद में मेन एक्सचेंज पर आ जाती हैं और यह तरीका सस्ता, सुंदर व टिकाउ साबित होता है।

लेकिन इसमें वैल्यूशन नहीं होने से रिटेल निवेशक इसे ऑथनटिक नहीं समझते।

रिटेल निवेशकों ने बदला ट्रेंड

हेम सिक्यूरिटी के गौरव जैन कहते हैं, 'कुछ दिनों पहले आए मध्य भारत एग्रो में हमें हर राज्य से रिटेल निवेशकों की ऐप्लिकेशन मिलीं। उसमें जुटाए गए 103 करोड़ रुपये में से 70 करोड़ रुपये रिटेल पार्टिसिपेशन रहा। एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के द्वारा कंपनियां अपने व अपने स्टेकहोल्डर्स के लिए वेल्थ क्रिएट करती हैं।'

वेल्थ क्रिएट करने का जरिया

एनएसई के इक्विटी ग्रुप हेड(एसएमई वर्टिकल) रवि वारानसी ने बताया, 'SME इमर्ज आईपीओ प्लेटफॉर्म ने एसमएई कंपनियों की इक्विटी कैपिटल रेज करने में मदद की है। ताकि लिस्टेट कंपनियां ज्यादा विजिबल हो सकें।' गौरतलब है कि बीएसई व एनएसई ने 2012 में एसएमई प्लेटफॉर्म लॉन्च किए थे।

रियल इस्टेट जैसे सेक्टर्स भी

आज हेम सिक्यूरिटी द्वारा लॉन्च हो रहे 5 एसएमई आईपीओ में ओरंगाबाद डिस्टलरीज, ग्लोब इंटरनैशनल, आर्ट निर्मन लि., पंसारी डिवेलपर्स और धानुका डिवेलपर्स हैं। ये कंपनियां अलग-अलेे सेक्टर्स से हैं जैसी डिस्टलरीज, लॉजिस्टिक, रियल इस्टेट व कंस्ट्रक्शन से भी हैं। इन कंपनियों के आईपीओ की साइज 4 करोड़ से 10.19 करोड़ के बीच है। रियल इस्टेट सेक्टर को लेकर पूछे जाने पर गौरव जैन कहते हैं, 'एसएमई का आईपीओ साइज बहुत कम होता है और इसलिए सेक्टर का नहीं कंपनी का प्रदर्शन ज्यादा महत्व रखता है।'

एसएमई आईपीओ की बहार

इस करेंट फिस्कल में 23 से ज्यादा एसएमई कैपिटल मार्केट में लिस्ट हुई हैं और इनके आईपीओ 185 करोड़ के हैं। इसकी तुलना में 2015-16 के पूरे फाइनैंशल ईयर में 44 एसएमई ने कुल 290 करोड़ रुपये रेज किए।

एसएमई आईपीओ में अभी तक रिटेल निवेशकों की भागीदारी दिखाई नहीं दे रही है क्योंकि यह पब्लिसाई नहीं होने की वजह से कंपनी की सूचना नहीं मिलती। सही तरह से रिसर्च नहीं होने की वजह से इसमें रिटेल निवेशकों का भरोसा अभी बनना बाकी है। इनका मार्केट लॉट भी काफी छोटा होता है और ये क्लोजली हेल्ड कंपनियां हैं।'

– एस.पी तुल्सयान, मार्केट एक्सपर्ट